

VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT

शैक्षणिक वर्ष २०१७-१८ थी अमलमां आवनार अेइ.वाय.डी.अे.

संस्कृत सेमेस्टर-१ नो अब्यासकम

F.Y.B.A. Semester - I

Core Allied : Sanskrit Classical Language

Credit - 03

प्रश्नपत्र-१ कृति : श्री विष्णुशर्मा विरचित पंचतंत्र मित्रभेदम्

कुल गुण - ५०

उद्देश : संस्कृत भाषा द्वारा नीतिकथानुं षेडाश आप्यानात्मक शैलीमां वैदिक साहित्यनी जेम संस्कृत साहित्यमां प्रसिध्द छे. प्राणीजगतना पात्रो द्वारा मनुष्य जवनमां नीतिमत्तानो परियय कराववो.

Unit-I : भारतीय कथा साहित्य अने प्राणीकथा, पंचतंत्र परियय, पंचतंत्रनुं कर्तृत्व अने आवृत्तिओ, (१२)
पंचतंत्रनुं महत्व, पंचतंत्र रचनाकाण, पंचतंत्रनी शैली, पंचतंत्रनो उपदेश. मित्रभेदनी
वार्ताओ अने उपदेश,

Unit-II : टिट्ठिभ - समुद्र कथा, मूर्ख कच्छप कथा, मत्स्यत्रय कथा, (१३)

Unit-III : चटका कुञ्जर कथा, सिंह शृगाल कथा, सूचीमुख-वानरयुथयो: कथा, (१२)

Unit-IV : वानर - चटकयो: कथा, धर्मबुद्धि - पापबुद्धयो: कथा. (१३)

संदर्भ ग्रन्थो

१. पंचतंत्र - विष्णुशर्मा प्रणीत - श्यामचरण पांडेय, MLBD
२. पंचतंत्र - विष्णुशर्मा प्रणीत - निर्णय सागर प्रेसनी आवृत्ति
३. पंचतंत्र - विष्णुशर्मा प्रणीत - श्री कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा, वाराणसी
४. Panchtantra - Mitrabhedam - K. Mohodaya.
५. संस्कृत साहित्य का इतिहास - ए. बी. कीथ, चौखम्बा.
६. संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा
७. पंचतंत्र - श्री विष्णुशर्मा अभिनवराजलक्ष्मी संस्कृत एवं विस्तृत भाषा टीका सहित । चौखम्बा, वाराणसी

F.Y.B.A. Semester - I

Core Course & Elective Course

Credit - 03

प्रश्नपत्र-१ (A) आर्षकाव्य

कुल गुण - ५०

कृति - वाल्मीकि रामायण - अयोध्याकाण्ड सर्ग ७ - १२ पर्यन्तम्

उद्देश : संस्कृतना आदिकवि ऋषि वाल्मीकि रचित रामायणना परियय साथे संस्कृत साहित्यमां निरूपित समाज व्यवस्था तथा नैतिक मूल्यो द्वारा भारतीय संस्कृतिनो परियय कराववो तथा प्राचीन भारतीय जीवन दर्शननो परियय कराववो जेथी आधुनिक समयमां आदर्श समाज घडी शकीअे.

Unit-I : संस्कृत आदिकाव्योनो परियय, पद्य साहित्यनी उत्पत्ति, रामायण वीरचरितकाव्य, महाकाव्य (१२) तरीके, रामायणनी विशेषता, समाजदर्शन, रामायणनी साहित्य तथा समाज पर असर, रामायण 'आदिकाव्य' तथा वाल्मीकि 'आदिकवि' तरीके

Unit-II : अयोध्याकाण्ड सर्ग ७, ८ (१३)

Unit-III : अयोध्याकाण्ड सर्ग ९, १० (१२)

Unit-IV : अयोध्याकाण्ड सर्ग ११, १२ (१३)

संदर्भ ग्रन्थो

१. रामायण - अयोध्याकाण्ड - पूर्वार्ध - श्रीपाद दामोदर सातवळेकर
२. रामायण उत्पत्ति और विकास - कादर कामिल बुल्के
३. The Ramayan Tradition in Asia - साहित्य अकादमी, दिल्ली.
४. Valmiki Ramayan (Vol. I to III) A. L. Gadgil, Shri Ram Kosa Mandal Pune' 82
५. लेख्यर्स ओन ध रामायण, वी. अेस. श्रीनिवास शास्त्री
६. संस्कृत साहित्यनो परिययात्मक छतिडास - अभूत उपाध्याय, संस्कृत सेवा समिति.

F.Y.B.A. Semester - I

Core Course & Elective Course

Credit - 03

પ્રશ્નપત્ર-૧ (B) આર્ષકાવ્ય

કુલ ગુણ - ૫૦

કૃતિ - વાલ્મીકિ રામાયણ - સુંદરકાણ્ડ સર્ગ -૧ (નિયત)

ઉદ્દેશ : સંસ્કૃતના આદિકવિ ઋષિ વાલ્મીકિ રચિત રામાયણના પરિચય સાથે સંસ્કૃત સાહિત્યમાં નિરૂપિત સમાજ વ્યવસ્થા તથા નૈતિક મૂલ્યો દ્વારા ભારતીય સંસ્કૃતિનો પરિચય કરાવવો તથા પ્રાચીન ભારતીય જીવન દર્શનનો પરિચય કરાવવો જેથી આધુનિક સમયમાં આદર્શ સમાજ ઘડી શકીએ.

Unit-I : સંસ્કૃત આદિકાવ્યોનો પરિચય, પદ્ય સાહિત્યની ઉત્પત્તિ, રામાયણ વીરચરિતકાવ્ય, મહાકાવ્ય (૧૨) તરીકે, રામાયણની વિશેષતા, સમાજદર્શન, રામાયણની સાહિત્ય તથા સમાજ પર અસર, રામાયણ 'આદિકાવ્ય' તથા વાલ્મીકિ 'આદિકવિ' તરીકે

Unit-II : સુંદરકાણ્ડ સર્ગ ૧ થી ૬૩ (૧૩)

Unit-III : સુંદરકાણ્ડ સર્ગ ૬૪ થી ૧૨૭ (૧૨)

Unit-IV : સુંદરકાણ્ડ સર્ગ ૧૨૮ થી ૧૮૦ (૧૩)

સંદર્ભ ગ્રન્થો

૧. રામાયણ - અયોધ્યાકાણ્ડ - પૂર્વાર્ધ - શ્રીપાદ દામોદર સાતવલ્લેકર
૨. રામકથા ઉત્પત્તિ ઓર વિકાસ - કાદર કામિલ બુલ્કે
૩. The Ramayan Tradition in Asia - સાહિત્ય અકાદમી દિલ્હી.
૪. Valmiki Ramayan (Vol. I to III) A. L. Gadgil, Shri Ram Kosa Mandal Pune' 82
૫. લેકચર્સ ઓન ધ રામાયણ, વી. એસ. શ્રીનિવાસ શાસ્ત્રી
૬. સંસ્કૃત સાહિત્યનો પરિચયાત્મક ઈતિહાસ - અમૃત ઉપાધ્યાય, સંસ્કૃત સેવા સમિતિ.

F.Y.B.A. Semester - I

Core Course & Elective Course

Credit - 03

प्रश्नपत्र-२ (A) संस्कृत रूपक साहित्य

कुल गुण - ५०

कृति - भास कृत मध्यमव्यायोग

उद्देश : संस्कृत रूपक साहित्यनो परियय, रूपकना प्रकार, स्वरूपनो परियय करावी कृतिलक्षी अल्यास करावो.

Unit-I : भासनुं जवन, समय, भासनी कृतिओ, रूपक साहित्यनो परियय, रूपकना प्रकारो, भासनां रूपको (१२)

Unit-II : भास समस्या, भासनी नाट्यकला, भासो हास ; मध्यम व्यायोगनी कथावस्तुनो मूलस्रोत (१३)
भासनी शैली

Unit-III : मध्यमव्यायोग (१२)

Unit-IV : मध्यमव्यायोग (१३)

संदर्भ ग्रन्थो

१. Bhasha - A study Dr. A. D. Pushalkar
२. भासनाटकचक्र - चौखम्बा, वाराणसी बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा
३. संस्कृत नाटकोनो परियय - नान्दी, युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड, अमदावाड.
४. संस्कृत साहित्यनो परियय - अ. बी. कीथ - अनु. पुरोहित
५. संस्कृत साहित्यका इतिहास - ए. बी. कीथ, चौखम्बा.
६. संस्कृत साहित्यका इतिहास - अनु. मो. पा. दवे.
७. संस्कृत साहित्यका इतिहास - वाचस्पति गौरोला, चौखम्बा.
८. मध्यमव्यायोग । श्री रामजी मिश्र विरचित 'प्रकाश' टीका, चौखम्बा.

F.Y.B.A. Semester - I

Core Course & Elective Course

Credit - 03

प्रश्नपत्र-२ (B) संस्कृत रूपक साहित्य

कुल गुण - ५०

कृति - भास कृत दूतघटोत्कच

उद्देश : संस्कृत रूपक साहित्यनो परियय, रूपकना प्रकार, स्वरूपनो परियय करावी कृतिलक्षी अल्यास करावो.

Unit-I : भासनुं जवन, समय, भासनी कृतिओ, रूपक साहित्यनो परियय, रूपकना प्रकार, भासनां रूपको (१२)

Unit-II : भास समस्या, भासनी नाट्यकला, भासो हास ; दूतघटोत्कच नी कथावस्तुनो मूलस्रोत (१३)
भासनी शैली

Unit-III : दूतघटोत्कच (१२)

Unit-IV : दूतघटोत्कच (१३)

संदर्भ ग्रन्थो

१. Bhasha - A study Dr. A. D. Pushalkar
२. भासनाटकचक्र - चौखम्बा, वाराणसी बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा
३. संस्कृत नाटकोनो परियय - नान्दी, युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड, अमदावाड.
४. संस्कृत साहित्यनो परियय - अ. बी. कीथ - अनु. पुरोहित
५. संस्कृत साहित्यका इतिहास - ए. बी. कीथ, चौखम्बा.
६. संस्कृत साहित्यका इतिहास - अनु. मो. पा. दवे.
७. संस्कृत साहित्यका इतिहास - वाचस्पति गौरोला, चौखम्बा.